राष्ट्रीय गणित दिवस

आख्या

गणित विभाग, बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज(के0के0वी0), लखनऊ, द्वारा दिनांकः 22.12.2017 (दिन–शुक्रवार) को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। प्रख्यात भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस प्रत्येक वर्ष 22 दिसम्बर को पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक श्री टी0 एन0 मिश्र जी, गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर रामबिलास मिश्र, पूर्व कुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उ0प्र0, आयोजक सचिव डॉ0 राजीव दीक्षित तथा विभागाध्यक्ष डॉ0 जे0 पी0 सिंह मंचासीन थे। आयोजक सचिव डॉ0 राजीव दीक्षित द्वारा सभी का स्वागत तथा रामानुजन के महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में बी0एस–सी0 तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी ज्योति द्वारा रामानुजन के जीवन वृत्त के बारे में बताया। डॉ0 वी0 एन0 सिंह जी द्वारा रामानुजन की पत्नी से मिलने का संस्मरण साझा किया गया।

प्रोफेसर राम बिलास मिश्र, पूर्वकुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उ0प्र0, द्वारा शीर्षक– **"गणित का इतिहास"** पर एक आमंत्रित व्याख्यान में **"सम जीटा फंक्शन्स"** को विस्तार से समझाया गया। जिसमें उनके द्वारा प्राचीन काल में गणित की स्थिति, गणित का उद्भव तथा भारत के गणित में दिये गये योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। उनके द्वारा बताया गया कि अध्ययन का क्षेत्र जो गणित के इतिहास के रूप में जाना जाता है, प्रारम्भिक रूप से गणित में आविष्कारों की उत्पत्ति, अतीत के अंकन और गणितीय विधियों की एक जाँच है। सबसे प्राचीन उपलब्ध ग्रन्थ हैं– प्लिमपटन 322, बेबीलोन का गणित(सी0 1900ई0पू0), मॉस्कोगणितीय पेपाइरस, इजिप्टका गणित(सी0 1850 ई0पू0), रहिंद गणितीय पेपाइरस(सी0 1650 ई0पू0) और शुल्बा के सूत्र(भारतीय गणित सी0 800 ई0पू0)। ये सभी ग्रन्थ तथा कथित पाईथागोरस की प्रमेय से संबंधित हैं, जो मूल अंकगणितीय और ज्यामिति के बाद गणितीय विकास में सबसे प्राचीन और व्यापक प्रतीत होती है। इसके बाद में ग्रीक और हेल्लेनिस्टिक गणित में इजिप्ट और बेबीलोनियन गणित का विकास हुआ, जिसने विधियों को परिष्कृत किया, विशेष रूप से प्रमाणों में गणितीय निठरता का परिचय, और गणित को विषय के रूप में विस्तृत किया। इसी क्रम में इस्लामी गणित ने गणित का विकास और विस्तार किया जो इन प्राचीन सभ्यताओं में ज्ञात थी। फिर गणित पर कई ग्रीक और अरबी ग्रंथों का लैटिन में अनुवाद किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मध्यकालीन यूरोप में गणित का आगे विकास हुआ। प्राचीनकाल से मध्य युग के दौरान, गणितीय रचनात्मकता के अचानक उत्पन्न होने के कारण सदियों में ठहराव आ गया। 16वीं शताब्दी में, इटली में पुनःजागरण की शुरुआत में, यह सब अब तक की सबसे तीव्रगति के साथ हुआ और यह आजतक जारी है। प्रारम्भिक गणित के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे चित्र मिलते हैं जो मूल गणित के कुछ ज्ञान की और इंगित करते हैं और तारों के आधार पर समय के मापन को भी इंगित करते हैं। उदाहरण के लिए जीवाश्म विज्ञानियों ने दक्षिणी अफ्रीका की गुफाओं में ओकरे चट्टानों की खोज की जो लगभग 70,000 वर्ष पुरानी थी और खरोंच युक्त ज्यामितिक पैटर्न से सज्ज थीं। उनके अनुसार इस बात के भी प्रमाण मिलते हैं कि महिलाएं अपने मासिक धर्मचक्र का हिसाब रखने के लिए गिनती करती थीं, इसके लिए हड्डी या पत्थर पर 28–30 खरोंच बना दी जाती थीं, जिस पर विशिष्ट मार्कर से निशान बनाये जाते थे। इसके अलावा शिकारी और चरवाहे जब पशुओं के झुंड पर विचार करते थे तो एक, दो और अनेक की अवधारणाओं का प्रयोग करते थे, साथ ही कोई नहीं या शून्य के विचार से भी अवगत थे। उनके द्वारा रामानुजन जीटा फंक्शन पर विस्तार से चर्चा की गई।

उद्घाटन सत्र के पश्चात् इसी क्रम में गणित वर्ग के स्नातक छात्र/छात्राओं द्वारा शीर्षक–**"भारतीय गणितज्ञों का योगदान"** पर पॉवर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्र/छात्राओं के ग्यारह समूहों द्वारा शीर्षक– श्री धराचार्य, आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, श्रीनिवास रामानुजन, भास्कराचार्य, महावीर, वराहमिहिर, हरीशचन्द्र, वैदिक गणित, शून्य की खोज तथा महत्व, मैथेमेटिकल

ऑपरेटर एवं जीरो पर प्रस्तुतियाँ दी गयी। चार सदस्यीय निर्णायक मण्डल, जिसमें प्रोफेसर रामनिवास शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ0 विवेकानंद सिंह, पूर्व अध्यक्ष, बुद्ध पी0जी कॉलेज, कुशीनगर, डॉ0 एन0 के0 शर्मा, एसो0 प्रो0 एवं अध्यक्ष, लखनऊ क्रिश्चियन पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ, डॉ0 एम0 जैन, एसो0 प्रो0, महिला विद्यालय पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ, द्वारा सभी प्रस्तुतियों को सराहा गया तथा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कारों की घोषणा की गई।

इस प्रतियोगिता में ज्ञिमिटी ग्रुप को प्रथम स्थान, न्यूटन्स 6 ग्रुप को द्वितीय स्थान तथा चाणक्य ग्रुप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन बी0एस-सी0 द्वितीय वर्ष के छात्र शशांक मिश्र द्वारा किया गया जिसे हॉल में उपस्थित सभी गणितज्ञों एवं श्रोताओं ने सराहा।

सम्पूर्ण कार्यक्रम में बी0एस-सी0-प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष गणित वर्ग के छात्र/छात्राओं के अतिरिक्त फैकल्टी- डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव, डॉ0 संजय मिश्र, डॉ0 संजय शुक्ल, डॉ0 संजीव शुक्ल, डॉ0 के0 के0 बाजपेई, डॉ0 एन0 के0 अवस्थी, डॉ0 जी0 के0 मिश्र, डॉ0 अरविन्द कुमार तिवारी, डॉ0 ए0 पी0 वर्मा, डॉ0 मीरा वाणी, डॉ0 ज्योति कालरा आदि उपस्थित थे।

उक्त कार्यक्रम का प्रिंट मीडिया द्वारा विस्तृत रूप से कवरेज किया गया तथा हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों हिन्दुस्तान व दैनिक जागरण द्वारा इस खबर को प्रमुखता से छापा गया।

द्वारा-

डा0 जे0 पी0 सिंह
विभागाध्यक्ष, गणित विभाग,
बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज(के0के0वी0), लखनऊ
ई-मेल- jaisinghjs@gmail.com
Mobile: 9838622377

राष्ट्रीय गणित दिवस(22 दिसम्बर, 2017)

कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम संचालक– शशांक मिश्र, छात्र–बी0एस–सी0 द्वितीय वर्ष (P_2)

उद्घाटन सत्र का प्रारम्भ – प्रातः 11:00

सरस्वती वन्दना(डॉ0 ज्योति काला जी के नेतृत्व में छात्र/छात्राओं द्वारा)

दीप प्रज्जवलन(सभी मंचासीन महानुभावों को आमंत्रित कर संपादित किया जायेगा)

तस्वीर पर माल्यार्पण(श्री बप्पा जी की तस्वीर पर मंत्री/प्रबंधक श्री टी0 एन0 मिश्र जी द्वारा तथा प्रख्यात भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन अयंगर जी की तस्वीर पर प्रोफेसर राम बिलास मिश्र जी द्वारा माल्यार्पण किया जायेगा तथा अन्य मंचासीन महानुभावों के द्वारा पुष्पार्चन किया जायेगा)

पुष्पगुच्छ द्वारा मंचासीन महानुभावों का स्वागत

1. प्रोफेसर राम बिलास मिश्र – प्रोफेसर राम निवास शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा
2. श्री टी0 एन0 मिश्र जी – डॉ0 विवेकानंद सिंह, पूर्व अध्यक्ष, बुद्ध पी0जी कॉलेज, कुशीनगर, द्वारा
3. श्री राकेश चन्द्र, प्राचार्य – डॉ0 के0 के0 बाजपेई, पूर्व अध्यक्ष, गणित विभाग, बी0 एस0 एन0 वी0 पी0जी कॉलेज, लखनऊ, द्वारा
4. डॉ0 जे0 पी0 सिंह अध्यक्ष, गणित विभाग – डॉ0 राजीव दीक्षित द्वारा
5. डॉ0 राजीव दीक्षित आयोजक सचिव – डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव द्वारा

श्रीनिवास रामानुजन के जीवन वृत्त पर संक्षेप में प्रकाश(कुमारी ज्योति, छात्रा– बी0एस–सी0 तृतीय वर्ष द्वारा)

श्रीनिवास रामानुजन की पत्नी के साथ हुई भेंट के संस्मरण पर प्रकाश(डॉ0 विवेकानंद सिंह जी द्वारा)

डॉ0 राजीव दीक्षित, आयोजक सचिव, द्वारा सभी का स्वागत ज्ञापन

श्री टी0 एन0 मिश्र, मंत्री/प्रबंधक, द्वारा आशीर्वचन

श्री राकेश चन्द्र, प्राचार्य, द्वारा आशीर्वचन

प्रोफेसर राम बिलास मिश्र जी द्वारा आमंत्रित व्याख्यान

उद्घाटन सत्रांत पर धन्यवाद ज्ञापन(डॉ0 जे0 पी0 सिंह, अध्यक्ष, गणित विभाग, द्वारा)

पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता सत्र

इस सत्र में शीर्षक–"भारतीय गणितज्ञों का योगदान" पर स्नातक स्तर के कुल 11 समूह प्रतिभाग करेंगे। प्रत्येक समूह का केवल एक प्रतिभागी ही अपने पूर्व निर्धारित शीर्षक पर अपना प्रस्तुतिकरण देगा।

समूहों का विवरण पृथक पृष्ठों पर संचालक को उपलब्ध कराया जायेगा

प्रस्तुति उपरांत चार सदस्यीय निर्णायक मंडल प्रथम तीन स्थानों हेतु अपना निर्णय देगा।

1. प्रोफेसर राम निवास शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
2. डॉ0 विवेकानंद सिंह, पूर्व अध्यक्ष, बुद्ध पी0जी कॉलेज, कुशीनगर
3. डॉ0 एन0 के0 शर्मा, एसो0 प्रो0 एवं अध्यक्ष, लखनऊ क्रिश्चियन पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ
4. डॉ0 रमा जैन, एसो0 प्रो0, महिला विद्यालय पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ

प्रोफेसर राम निवास शुक्ल जी द्वारा आशीर्वचन

ड्रॉ0 विवेकानंद सिंह जी द्वारा आशीर्वचन

डॉ0 एन0 के0 शर्मा जी द्वारा आशीर्वचन

डॉ0 रमा जैन जी द्वारा आशीर्वचन

अंत में प्रमाण पत्र वितरण किया जायेगा

राष्ट्रगान के साथ समापन

प्रमाण पत्र वितरण के उपरांत डॉ0 राजीव दीक्षित, आयोजक सचिव, द्वारा प्रतिभागी छात्र/छात्राओं को स्वल्पाहार कूपन वितरित किये जायेंगे।